हिंदी दैनिक

# न्यूज़ वायरस

वर्ष : 11 अंक : 268 देहरादून, बुधवार, 19 अप्रैल, 2023 मूल्य : एक रुपया पृष्ठ : 08

मंत्री रेखा आर्या ने किया नौगाँव पम्पिंग लिफ्ट सिंचाई योजना का लोकार्पण 3

# सैन्यधाम के निर्माण कार्यों में और तेजी लाई जाए : मुख्यमंत्री

**न्यूज़ वायरस नेटवर्क**

देहरादून , 19 अप्रैल , मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि सैन्यधाम के निर्माण कार्यों में और तेजी लाई जाए। सैन्य धाम का स्वरूप भव्य एवं दिव्य हो, इसके लिए अन्य राज्यों के सैन्य धामों (शौर्य स्थलों) की जो स्टडी की गई है, उनमें जो बेहतर कार्य किये गये हैं, उन कार्यों का समावेश सैन्य धाम में किया जाए। यह भी सुनिश्चित किया जाए कि सैन्यधाम में उत्तराखण्ड की झलक दिखे। सैन्यधाम के आसपास केदारखण्ड एवं मानसखण्ड की थीम पर आधारित क्या गतिविधियां हो सकती हैं, इस पर भी ध्यान दिया जाए। मुख्यमंत्री ने सचिवालय में सैन्य धाम (शौर्य स्थल) की उच्च स्तरीय बैठक के दौरान ये निर्देश अधिकारियों को दिये।

बैठक में जानकारी दी गई कि सैन्यधाम के निर्माण की कार्य प्रगति 45 प्रतिशत तक हो चुकी है। जिसके अन्तर्गत ऑडिटोरियम, टैंक प्लेटफॉर्म, मुख्य द्वार, बाबा जसवंत सिंह एवं बाबा हरभजन सिंह मन्दिर, शौर्य स्तम्भ, बुकिंग काउंटर, चाहरदीवारी एवं म्यूजियम का कार्य प्रगति पर है। बैठक में सैनिक कल्याण मंत्री गणेश जोशी, मुख्य सचिव डॉ. एस.एस. संधू, जी.ओ.सी उत्तराखण्ड सब-एरिया मेजर जनरल संजीव खत्री, मेजर जनरल सम्मी सभरवाल (से.नि) सचिव सैनिक कल्याण दीपेन्द्र चौधरी, श्री एस.एन. पाण्डेय, जिलाधिकारी देहरादून सोनिका एवं संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

# 20 अप्रैल को मॉक अभ्यास में परखी जाएगी चारधाम यात्रा की तैयारी

**न्यूज़ वायरस नेटवर्क**

देहरादून , 19 अप्रैल , उत्तराखण्ड राज्य आपदा प्रबन्धन प्राधिकरण (यू.एस.डी.एम.ए.), उत्तराखण्ड शासन द्वारा राष्ट्रीय आपदा प्रबन्धन प्राधिकरण, भारत सरकार के सहयोग से आगामी चारधाम यात्रा 2023 जो 22 अप्रैल से प्रारम्भ हो रही है, के दृष्टिगत 20 अप्रैल 2023 को एक मॉक अभ्यास का आयोजन किया जा रहा है। इस मॉक अभ्यास के आयोजन का उद्देश्य आगामी चारधाम यात्रा के दौरान कोई भी प्राकृतिक अथवा मानव जनित घटना होने पर जान-माल तथा पर्यटक/तीर्थयात्रियों को किसी प्रकार कोई क्षति न हो साथ ही ऐसी घटना होने पर राज्य एवं जनपद प्रशासन, अन्य रेखीय विभागों तथा सेना, एस०एस०बी०, आई०टी०बी०पी०, सी०आई०एस०एफ०, सी०आर०पी०एफ०, वायुसेना का आपस में समन्वय सुनिश्चित किया जाना है।

इस मॉक अभ्यास में सचिवालय परिसर में राष्ट्रीय स्तर की संस्थायें जैसे- सेना, एन0डी0आर0एफ0, आई0टी0बी0पी0, एस0एस0बी0, एस0डी0आर0एफ0 तथा विभिन्न महत्वपूर्ण विभागों जैसे-मौसम विभाग, स्वास्थ्य विभाग, पुलिस विभाग, दूरसंचार विभाग तथा चारधाम यात्रा आयोजित करने वाले 07 जिलों यथा जनपद चमोली, रूद्रप्रयाग, उत्तरकाशी, देहरादून, हरिद्वार, पौड़ी, टिहरी के उच्च अधिकारियों के साथ यू.एस.डी.एम.ए. एवं राष्ट्रीय आपदा प्रबन्धन प्राधिकरण (एन.डी.एम.ए.) के पदाधिकारियों के द्वारा एक टेबल टाप अभ्यास का आयोजन किया गया। जिसमें राष्ट्रीय आपदा प्रबन्धन प्राधिकरण द्वारा विभिन्न घटनाओं की परिस्थितियां (त्वरित बाढ़, अग्नि, सड़क दुर्घटना, स्वास्थ सम्बन्धी आपातकालीन स्थिति, भू-स्खलन आदि) दर्शायी गई तत्पश्चात सम्बन्धित जनपदों तथा विभिन्न विभागों के उच्च अधिकारियों द्वारा उक्त परिस्थितियों से निपटनें के लिये जनपद तथा विभागीय स्तर पर तैयारियों के बारे में प्रस्तुतिकरण के माध्यम से बतलाया गया। तत्पश्चात इन तैयारियों को और बेहतर कैसे बनाया जाय इस पर राष्ट्रीय आपदा प्रबन्धन प्राधिकरण के उच्च अधिकारियों द्वारा सुझाव दिये गये। इस अवसर पर राष्ट्रीय आपदा प्रबन्धन प्राधिकरण के माननीय सदस्य लेफ्टिनेन्ट जनरल सयैद अता हसनैन, राजेन्द्र सिंह, कर्नल के0पी0 सिंह, कर्नल नदीम अरशद, मेजर जनरल सुधीर बहल के साथ-साथ सचिव, राज्य आपदा प्रबन्धन प्राधिकरण, डॉ0 रंजीत कुमार सिन्हा, महानिरीक्षक, एस0डी0आर0एफ0, रिद्धिम अग्रवाल, अपर सचिव, आपदा प्रबन्धन, डॉ0 आनन्द श्रीवास्तव एवं आई.आर.एस. विषेशज्ञ वी.बी. गणनायक सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

# उत्तराखंड के 5 जिलों में आज मूसलाधार बारिश का ऑरेंज अलर्ट

**न्यूज़ वायरस नेटवर्क**

देहरादून 19 अप्रैल : इस समय पूरा उत्तर भारत गर्मी की मार झेल रहा है। देहरादून समेत ज्यादातर मैदानी क्षेत्रों में गर्मी लोगों को परेशान कर रही है। चटख धूप पहाड़ से लेकर मैदान तक झुलसा रही है। मार्च तक मौसम सुहावना बना रहा और मौसम में हल्की हल्की ठंडक बरकरार रही मगर अप्रैल की शुरुआत से ही गर्मी ने लोगों को परेशान रखा है।

उत्तराखंड समेत लगभग पूरा उत्तर भारत भीषण गर्मी से परेशान है। इस बीच मौसम विभाग ने अगले तीन दिन उत्तरकाशी, चमोली, रुद्रप्रयाग, पिथौरागढ़ एवं बागेश्वर में कहीं-कहीं गरज-चमक के साथ बौछारें व ओलावृष्टि की संभावना जताई है। मैदानी क्षेत्रों में मौसम शुष्क बना रह सकता है। पारे में और इजाफा होने के आसार हैं। वहीं, प्रदेश में कहीं-कहीं भारी वर्षा व ओलावृष्टि को लेकर ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। मौसम विज्ञान केंद्र के निदेशक बिक्रम सिंह के अनुसार अगले तीन दिन मैदानों में मौसम शुष्क और पहाड़ों में आंशिक बादल रह सकते हैं। उन्होंने कहा कि उत्तरकाशी, चमोली, रुद्रप्रयाग, पिथौरागढ़, बागेश्वर में कहीं-कहीं गरज-चमक के साथ बौछारें व ओलावृष्टि हो सकती है। जबकि, 19 अप्रैल को पर्वतीय क्षेत्रों में भारी वर्षा और ओलावृष्टि को मध्यनजर रखते हुए ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। बरसात के बाद फिर से भीषण गर्मी पड़ने के आसार हैं।

# रिश्ते नाते : शादीशुदा पुरुषों पर हुई स्टडी में पढ़िए क्या निकला

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 19 अप्रैल , 'कभी शादी मत करना' ऐसी नसीहत आपने भी शादीशुदा लोगों से कभी न कभी जरूर सुनी होगी। लेकिन यह कहने के पीछे उनके पास कोई पुख्ता सबूत नहीं होता है। होता है, तो बस परिवार की जिम्मेदारियों की वजह से छिन्न जाने वाली आजादी का दुख। भले ही आपने खुद भी शादी करने के बाद कई लोगों को आंसू बहाते देखा हो, लेकिन आज यहां बताई गयी स्टडी के दावे को जानने के बाद शादी को लेकर आपके विचार बिल्कुल बदल जाएंगे।

हाल ही में एक ऐसी स्टडी सामने आई है, जिसमें शादी को लंबे और स्वस्थ जीवन का कारण बताया गया है। यानी की शादी करने से व्यक्ति दूसरों के मुकाबले ज्यादा दिनों तक जिंदा रहता है। चलिए इस स्टडी को डिटेल में समझाते हैं-ग्लोबल एपिडेमियोलॉजी में प्रकाशित अध्ययन में पाया गया कि शादीशुदा महिलाओं में मौत का जोखिम 35 प्रतिशत तक उन महिलाओं की तुलना में कम था, जिन्होंने कभी शादी नहीं की।

इस स्टडी में 11,830 अमेरिकन महिला नर्स को ऑब्जर्व किया गया। इस स्टडी में यह भी सामने आने आया कि इनमें से तलाक लेने वाली महिलाओं में लंबे समय तक शादीशुदा रहने वाली महिलाओं की तुलना में मौत का जोखिम 19 प्रतिशत तक ज्यादा था।

**शादीशुदा पुरुषों पर हुई स्टडी में क्या निकला**

अमेरिकन कॉलेज ऑफ कार्डियोलॉजी के एक नए अध्ययन में पाया गया कि एक शादीशुदा पुरुष ज्यादा लंबा और स्वस्थ जीवन जीता है, उन पुरुषों की तुलना में जिन्होंने कभी शादी नहीं की। इस स्टडी में 45-84 साल के 6800 अमेरिकन पुरुषों को ऑब्जर्व किया गया। जिससे पता लगा कि विवाहित पुरुषों की तुलना में आजीवन कुंवारे रहने वाले पुरुषों में मरने की संभावना लगभग 2.2 गुना अधिक थी।

**शादीशुदा व्यक्तियों में इन जानलेवा बीमारियों का खतरा कम**

शादीशुदा लोगों में हार्ट डिजीज, डिप्रेशन, अकेलापन, डिमेंशिया, शुगर, स्किन कैंसर का जोखिम कम होता है। इसका कारण शादीशुदा लोगों में अपने स्वास्थ्य को लेकर अच्छी जीवनशैली का पालन करना है, जो आमतौर पर सिंगल व्यक्तियों में कम देखने के लिए मिलता है।

**शादी करने के ये फायदे भी हैं**

शादी केवल दो लोगों का एक ही घर में साथ रहने और परिवार शुरू करने तक सीमित नहीं। बल्कि यह आपको करियर में बेहतर करने, ज्यादा कमाने के लिए मोटिवेट करने के साथ मेंटली, इमोशनली और फिजिकली फिट भी रखता है। ऐसा कारण इस रिश्ते में आने वाली चुनौतियां और खुशियां आपके पास्ट की तुलना में ज्यादा व्यक्तिगत होती हैं। जिससे आप खुद की लिमिट को पुश करते हैं।

# लिवर की ये बीमारियां हो सकती हैं काफी गंभीर, समय पर इलाज जरूरी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

मेडिकल 19 अप्रैल : लिवर हमारे शरीर के सबसे महत्वपूर्ण अंगों में से एक है। रक्त में मौजूद अधिकांश रसायनों की मात्रा को नियंत्रित करने के साथ अपशिष्ट उत्पादों को शरीर से बाहर निकालने में इस अंग की विशेष भूमिका होती है। लिवर की बढ़ती की बीमारियों के बारे में लोगों को जागरूक करने के लिए हर साल ,19 अप्रैल को वर्ल्ड लिवर डे मनाया जाता है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, लाइफस्टाइल और आहार की गड़बड़ी के कारण शरीर के इस महत्वपूर्ण अंग को बहुत क्षति पहुंची है। पिछले एक-दो दशकों में लिवर से संबंधित कई गंभीर रोगों के मामले तेजी से बढ़ते हुए देखे गए हैं।आंकड़ों के मुताबिक लिवर से संबंधित तमाम बीमारियों के कारण वैश्विक स्तर पर हर साल 13 लाख से अधिक लोगों की मौत हो जाती है। आइए लिवर की ऐसी ही कुछ गंभीर बीमारियों के बारे में जानते हैं।

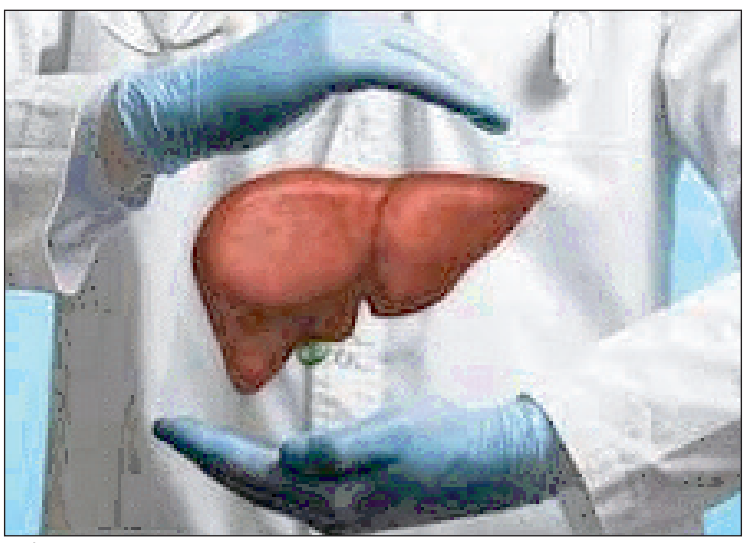

**फैटी लिवर डिजीज**

फैटी लिवर डिजीज, इस अंग में अतिरिक्त फैट्स के जमा होने के कारण होने वाली एक सामान्य स्थिति है। अधिकांश लोगों में इसके कोई लक्षण नहीं होते हैं और यह उनके लिए गंभीर समस्याएं भी पैदा नहीं करता है। हालांकि कुछ मामलों में, यह लिवर को नुकसान पहुंचा सकता है। नॉन अल्कोहलिक फैटी लिवर डिजीज इसी का एक प्रकार है जिसके मामले काफी तेजी से बढ़े हैं, यह समस्या उन लोगों को भी हो सकती है जो शराब का सेवन नहीं करते हैं। अच्छी खबर यह है कि, आप जीवनशैली में बदलाव के साथ फैटी लिवर की बीमारी की रोकथाम और इसे ठीक भी कर सकते हैं।

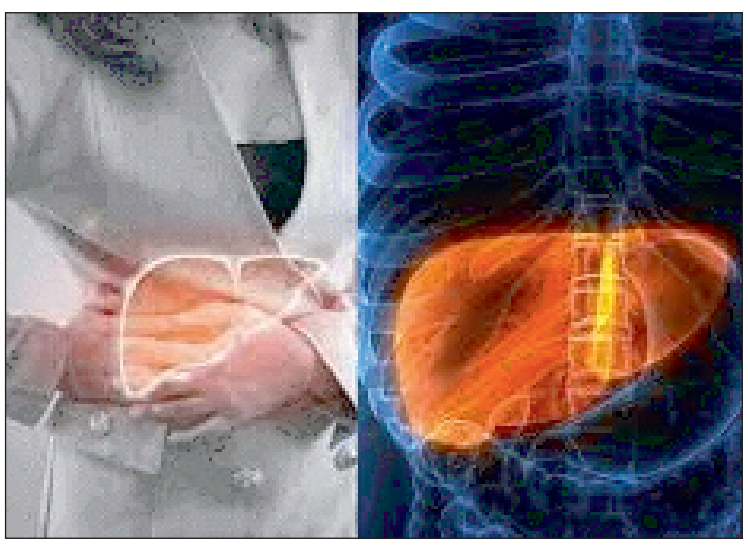

**लिवर कैंसर**

लिवर कैंसर, एक जानलेवा स्थिति है। दुनियाभर में हर साल 8 लाख से अधिक लोगों में इस कैंसर का निदान किया जाता है और हर साल इसके कारण 7 लाख से अधिक लोगों की मौत हो जाती है। लंबे समय तक हेपेटाइटिस बी या हेपेटाइटिस सी वायरस के संक्रमण का शिकार होने, अधिक वजन या मोटापे की स्थिति और शराब के सेवन के कारण लिवर कैंसर का खतरा बढ़ जाता है। इन जोखिम कारकों से बचाव के उपाय करें।

# गैस जलाते समय कहीं आप तो नहीं करते ये गलतियां?

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

विशेष जानकारी 19 अप्रैल : रसोईघर में सबसे जरूरी गैस स्टोव होता है। इसके बिना खाना बनाना मुश्किल है। भले ही अब गैस स्टोव के साथ ही खाना बनाने के लिए लोग इंडक्शन या माइक्रोवेव का भी इस्तेमाल करने लगते हैं लेकिन कुछ चीजें गैस स्टोव पर ही तैयार हो सकती हैं। गैस स्टोव के इस्तेमाल का अपना अलग तरीका है, जिस का सुरक्षा की दृष्टि से ख्याल रखना पड़ता है। कई लोग गैस स्टोव का उपयोग न होने पर उसे सिलेंडर से ऑफ कर देते हैं। लेकिन अक्सर लोग सिर्फ गैस स्टोव के स्विच को ही बंद करते हैं। वहीं कुछ लोग गैस जलाने के लिए लाइटर का उपयोग करते हैं तो कुछ माचिस की तीली से गैस स्टोव ऑन करते हैं। गैस स्टोव को जलाने या बंद करने के कई तरीकों का सीधा कनेक्शन सेफ्टी से होता है।

गैस ऑन करते समय हो सकता है कि आप जानें- अनजाने में कुछ गलतियां करते होंगे जो आपकी सुरक्षा पर खतरा बन सकती है। आइए जानते हैं कि गैस स्टोव ऑन करने का सही तरीका और किचन सेफ्टी टिप्स के बारे में।

अगर आप माचिस की तीली से गैस ऑन कर रहे हैं तो पहले माचिस जलाएं फिर गैस चालू करें ताकि फौरन गैस जलाई जा सके। अक्सर लोग तीली जलाने से पहले गैस चालू कर देते हैं। इस कारण गैस अधिक निकल जाती है और आग बड़ी हो सकती है। इससे हाथ भी जलने का खतरा रहता है। गैस जलाते समय उसकी सेटिंग कम ही रखें यानी बहुत धीमी आंच वाली सेटिंग पर गैस ऑन करके लाइटर या माचिस से आग जलाएं। बाद में अपने हिसाब से खाना बनाते समय आंच की सेटिंग को एडजस्ट कर सकते हैं। लेकिन गैस जलाते समय ही हाई सेटिंग पर रहेगी तो ज्यादा गैस निकलेगी और लौ भी ज्यादा बड़ी होगी। माचिस की तीली से अगर गैस न जला पाएं तो गैस का स्विच ऑफ कर दें और माचिस बुझा दें। स्टोव से गैस निकल कर हवा में घुल जाती है, ऐसे में अगर आप गैस ऑफ भी रखेंगे तो माचिस जलाने पर हवा में घुली गैस खतरा बन सकती है। कुछ मिनट रुक कर ही माचिस जलाएं।

माचिस की जगह लाइटर से गैस ऑन करने की सलाह दी जाती है। माचिस से थोड़ी सी लापरवाही बड़ा खतरा बन सकती है।

# मंत्री रेखा आर्या ने किया नौगाँव पम्पिंग लिफ्ट सिंचाई योजना का लोकार्पण

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

सोमेश्वर( अल्मोड़ा ) , 19 अप्रैल , प्रदेश की कैबिनेट मंत्री व सोमेश्वर विधायक रेखा आर्या ने नौगांव पम्पिंग लिफ्ट सिंचाई योजना का विधिवत पूजा अर्चना कर लोकार्पण किया।यह योजना कुल 90 लाख रुपये में बन कर पूर्ण हुई।इस दौरान कैबिनेट मंत्री ने स्थानीय जनता के साथ संवाद किया।उन्होंने कहा कि निश्चित ही इस सिंचाई योजना के बन जाने से क्षेत्रवासियों को पूर्व में खेतीबाड़ी करने में आ रही पानी की समस्या दूर होगी।साथ ही किसान सिंचाई के पर्याप्त साधन व पानी न होने से मायूस होते थे लेकिन अब उन्हें इसका सीधा लाभ मिलेगा।मंत्री रेखा आर्या ने जानकारी देते हुए बताया कि यह योजना 2021-22 में शुरू हुई थी जिसका कि आज लोकापर्ण हुआ है।इस योजना के जरिये कुल 45 हेक्टेयर भूमि सिंचित होगी।स्थानीय जनता को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि क्षेत्रवासियो की तरफ से काफी लंबे समय से इस योजना को बनाये जाने की मांग उठ रही थी जो कि आज पूरी हुई है।कहा कि अब क्षेत्रवासियों को अपनी खेतीबाड़ी करने में पानी की किसी भी प्रकार की परेशानी नही होगी।

**कैबिनेट मंत्री ने पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ की बैठक**

सोमेश्वर विधानसभा के मजखाली मंडल के काकड़ीघाट पहुंची केबिनेट मंत्री व क्षेत्रीय विधायक रेखा आर्या ने पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ आगामी चुनावों को लेकर बैठक की।बैठक से पूर्व कैबिनेट मंत्री का पार्टी कार्यकर्ताओं द्वारा स्वागत किया गया।इस अवसर पर मंत्री रेखा आर्या ने कार्यकर्ताओं को आगामी चुनावों को लेकर तैयारी करने के साथ ही राज्य व केंद्र सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने पर जोर दिया।उन्होंने कहा कि यह हमसब की जिम्मेदारी है कि हम सरकार की योजनाओं को हर व्यक्ति तक पहुंचाए ताकि सभी को योजनाओं का लाभ मिल सके।कहा कि आज सरकार लोगो के हितों के लिए कई योजनाए संचालित कर रही है।माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आशीर्वाद व मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में राज्य का चौमुखी विकास हो रहा है।इस दौरान सभी कार्यकर्ताओं को आगामी निकाय व लोकसभा चुनाव की तैयारी करने के निर्देश दिए।वही कार्यकर्ताओ द्वारा अपनी विभिन्न समस्याओं को भी रखा गया।

# सीनियर सिटीजन की सुरक्षा पर डीजीपी अशोक कुमार गंभीर, करेंगे मासिक समीक्षा



न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 19 अप्रैल , पुलिस मुख्यालय में पुलिस महानिदेशक, उत्तराखण्ड अशोक कुमार द्वारा प्रदेश में निवासरत अकेले सीनियर सिटीजन की सुरक्षा के दृष्टिगत समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया । समीक्षा के दौरान पुलिस महानिदेशक द्वारा स्थानीय पुलिस को प्रत्येक माह सीनियर सिटीजन के घरों पर भ्रमण कर उनकी कुशलता पूछने एवं माह में 2 बार दूरभाष/ मोबाइल के माध्यम से सम्पर्क करने के निर्देश दिए । उन्होंने स्थानीय पुलिस को भ्रमण के दौरान सीनियर सिटीजन को उत्तराखण्ड पुलिस एप एवं इमरजेंसी बटन (एस.ओ.एस) की जानकारी दिये जाने हेतु निर्देशित किया । समीक्षा बैठक के दौरान पुलिस महानिदेशक, उत्तराखण्ड महोदय द्वारा बिन्दुवार निम्न दिशा-निर्देश दिये गये-

- सीनियर सिटीजन के सुरक्षा हेतु थाना स्तर पर महिला हेल्प डेस्क प्रभारी को नोडल अधिकारी बनाया जाएगा। जनपद स्तर पर पुलिस उपाधीक्षक (महिला सेल) को सीनियर सिटीजन सेल का नोडल अधिकारी नामित किया गया ।
- अकेले रहने वाले वरिष्ठ नागरिकों की सुरक्षा को बेहतर बनाने के उद्देश्य से आस-पड़ोस के सामजिक कार्यकर्ताओं को सीनियर सिटीजन की मदद हेतु प्रोत्साहित किया जायेगा और आस-पड़ोस के सामाजिक कार्यकर्ताओं से सम्पर्क कर सीनियर सिटीजन की सहायता किये जाने के निर्देश दिए गये।
- घरों पर अकेले रहने वाले सीनियर सिटीजन की सुरक्षा हेतु स्थानीय पुलिस को मोहल्ला समिति एवं सी0एस0आर0 की मदद से सीसीटीवी कैमेरे स्थापित करने हेतु अभियान चलाने के निर्देश दिए गए ।
- वर्तमान में प्रदेश के शहरी क्षेत्रों में 1067 सीनियर सिटीजन का चिन्हीकरण एवं 2398 वरिष्ठ नागरिकों के द्वारा उत्तराखण्ड पुलिस एप में रजिस्ट्रेशन किया जा चुका है । समस्त जनपद प्रभारियों को वरिष्ठ नागरिकों का चिन्हीकरण करते हुए नई अद्यतन सूची बनाने के निर्देश दिए गये ।
- सीनियर सिटीजन की सुरक्षा से सम्बन्धित समस्त बिन्दुओं को सम्मिलित करते हुए विस्तृत फॉर्मेट बनाया जायेगा । उपरोक्त फार्मेट के आधार पर सम्पत्ति या अन्य किसी विवाद के होने पर सम्बन्धित सीनियर सिटीजन की कॉउंसलिग कर सहायता की जायेगी ।
- अकेले रहने वाले वरिष्ठ नागरिकों की सुरक्षा हेतु पुलिस मुख्यालय स्तर पर अपर पुलिस महानिदेशक, अपराध एवं कानून व्यवस्था, उत्तराखण्ड महोदय द्वारा प्रत्येक माह समीक्षा की जाएगी ।
- सीनियर सिटीजन के सुरक्षा को लेकर किसी भी स्तर पर लापरवाही होने पर सम्बन्धित के विरूद्ध सख्त कार्यवाही अमल मे लायी जाएगी ।

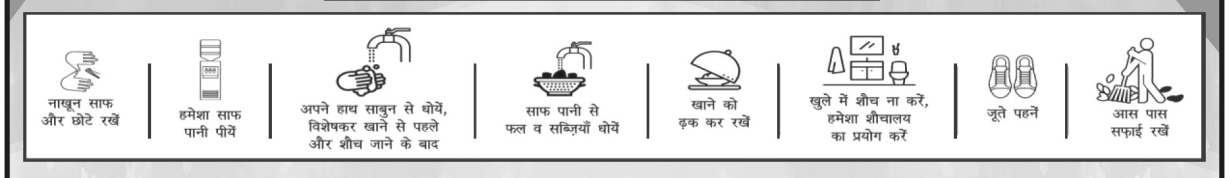

बैठक के दौरान डॉ0 वी0 मुरूगेशन,अपर पुलिस महानिदेशक, अपराध एवं कानून व्यवस्था, उत्तराखण्ड, सुश्री पी.रेणुका देवी, पुलिस उप महानिरीक्षक, अपराध एवं कानून व्यवस्था,उत्तराखण्ड , महिला सुरक्षा हेल्पलाईन सेल के अधिकारी/ कर्मचारीगण मौजूद रहे ।

# मोटर वाहनों की गति सीमा की समीक्षा बैठक में मंत्री चंदन राम दास हुए शामिल

**न्यूज़ वायरस नेटवर्क**

नई दिल्ली / देहरादून , 19 अप्रैल , उत्तराखंड के कैबिनेट मंत्री, समाज कल्याण चन्दन राम दास ने नितिन गडकरी, केन्द्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री की अध्यक्षता में नई दिल्ली में सभी राज्यों और संघ ग़ाज्य क्षेत्रों के परिवहन मंत्रियों तथा परिवहन सचिवों की बैठक में उत्तराखण्ड राज्य का प्रतिनिधित्व किया । बैठक में मुख्यतः मोटर वाहनों की गति सीमा की समीक्षा के लिए गठित समिति की सिफारिशों पर चर्चा, वाहन फिटनेस परीक्षण अवसंरचना पर चर्चा, इलेक्ट्रिक वाहनों के वित्तपोषण पर चर्चा तथा लर्निंग लाइसेंस के स्वचालन आदि बिन्दुओं पर गहन चर्चा की गयी।मंत्री चन्दन राम दास ने बैठक में अवगत कराया कि पिछली दुर्धटनाओं का परीक्षण करने पर संज्ञान में आया है कि चालक की लापरवाही तथा अनियंत्रित गति सीमा ही मुख्यतः सड़क दुर्धटनाओं हेतु जिम्मेदार है।

उक्त के सम्बन्ध तथा चारधाम यात्रा के तीर्थयात्रियों की सुरक्षा के दृष्टिगत उत्तराखण्ड में वाहनों हेतु ग्रीन कार्ड जारी कर दिये गये हैं तथा वाहनों की गति सीमा नियंत्रण हेतु स्पीड गवर्नर अनिवार्य कर दिये गये है। अभी तक लगभग 1,10,592 वाहनों में स्पीड गवर्नर लगा दिये गये हैं। इसके अतिरिक्त रियल टाइम मॉनिटरिंग हेतु राज्य में 42993 सार्वजनिक सेवा वाले ATS 140 मानक यन्त्र स्थापित कर दिये गये हैं तथा अतिसंवेदनशील 10 स्थानों पर ANPR कैमरे भी स्थापित कर दिये गये हैं। मंत्री द्वारा यह भी आश्वासन दिया गया कि राज्य सरकार दुर्धटनाओं की रोक हेतु केन्द्र सरकार द्वारा जारी दिशानिर्देशों तथा मानकों के क्रियान्वयन हेतु दृढ़संकल्प है। बैठक में सभी राज्यों के परिवहन मंत्री तथा सचिव द्वारा प्रतिभाग किया गया। उत्तराखण्ड राज्य से सचिव, परिवहन द्वारा प्रतिभाग किया गया।

# मंत्री जी ने परखी सड़क निर्माण की क्वालिटी, दिखे नाराज़

**न्यूज़ वायरस नेटवर्क**

ऋषिकेश , 19 अप्रैल , क्षेत्रीय विधायक व कैबिनेट मंत्री डॉ प्रेमचंद अग्रवाल ने जी-20 सम्मेलन के अंतर्गत किए जा रहे हार्ट मिक्स सड़क निर्माण कार्यों की गुणवत्ता जांची। इस दौरान मौके से ही लोक निर्माण विभाग के अधिकारी को दूरभाष पर गुणवत्ता का विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। मंत्री डॉ अग्रवाल ने आईडीपीएल से कोयल घाटी तक जी-20 सम्मेलन के अंतर्गत किए जा रहे हॉट मिक्स सड़क निर्माण कार्य का निरीक्षण किया। इस दौरान मंत्री डॉ अग्रवाल ने सड़क की गुणवत्ता भी जांची। जिस पर मंत्री डॉ अग्रवाल असंतुष्ट नज़र आये। डॉ अग्रवाल ने मौके से ही अपर सहायक अभियंता उपेंद्र गोयल को दूरभाष पर सम्पर्क किया। उन्होंने अपर सहायक अभियंता से हॉट मिक्स सड़क निर्माण कार्य को लेकर जानकारी हासिल की। उन्होंने बताया कि करीब साढ़े पांच किलोमीटर लंबी यह सड़क दो करोड़ बीस लाख रुपए की लागत से जी-20 सम्मेलन के अंतर्गत की जा रही है। डॉ अग्रवाल ने दूरभाष पर निर्देशित करते हुए कहा कि सड़क निर्माण कार्य में गुणवत्ता का विशेष ख्याल रखा जाए, उन्होंने कहा कि सरकार विकास कार्यों के लिए प्रतिबद्ध है, लिहाजा इसमें अधिकारी भी सहयोग करें।डॉ अग्रवाल ने निर्देशित कर कहा कि मौके पर सड़क निर्माण कार्य की मॉनिटरिंग भी की जाए जिससे कार्य गुणवत्ता के साथ समय पर पूर्ण हो सके और आवागमन के दौरान किसी भी नागरिक को परेशानी न झेलनी पड़े।

# केदारनाथ धाम पहुंचना होगा बेहद आसान, यहां बन रही है लंबी टनल

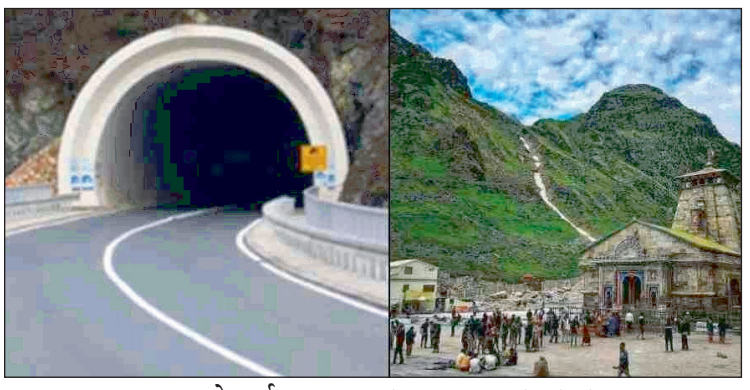

**न्यूज़ वायरस नेटवर्क**

रुद्रप्रयाग 19 अप्रैल : केदारनाथ धाम को कालीमठ घाटी से जोड़ा जाएगा। इसके लिए सोनप्रयाग से कालीमठ-गुप्तकाशी तक डबल लेन बाईपास का निर्माण किया जाएगा। परियोजना के पूरा होने के बाद बाबा केदार के दर्शनों को आने वाले श्रद्धालु शक्तिपीठ कालीमठ, कालशिला, रुच्छ महादेव तक भी पहुंच सकेंगे। कालीमठ सहित घाटी के प्राचीन मठ-मंदिरों तक श्रद्धालुओं की पहुंच बढ़ेगी। इतना ही नहीं रुद्रप्रयाग-गौरीकुंड हाईवे पर लगने वाले जाम से भी मुक्ति मिलेगी। परियोजना के तहत सोनप्रयाग-कालीमठ-गुप्तकाशी के बीच वन-वे बाईपास बनाया जाना है। जिस पर सोनप्रयाग से कालीमठ के बीच आठ किमी लंबी सुरंग बनेगी।

साल 2013 की आपदा के बाद केदारनाथ धाम में बड़े स्केल पर पुनर्निर्माण कार्य चल रहे हैं। सोनप्रयाग और गौरीकुंड को रोपवे से जोड़ा जाना है। इसी कड़ी में केदारनाथ को कालीमठ घाटी से जोड़ने की योजना है। प्रोजेक्ट के तहत सोनप्रयाग से कालीमठ-गुप्तकाशी तक डबल लेन बाईपास बनाया जाएगा। जिस के बीच में 8 किमी लंबी सुरंग बनाई जाएगी। सड़क क्षेत्र में यह सुरंग पूरे उत्तराखंड में सबसे लंबी होगी। इस योजना पर लगभग 22 सौ करोड़ रुपये खर्च होंगे। मुख्य सचिव डॉ. एसएस संधू ने हेलीकॉप्टर से पूरी कालीमठ घाटी का हवाई निरीक्षण कर बाईपास व सुरंग निर्माण की संभावनाओं का जायजा लिया। उन्होंने कार्तिक स्वामी क्षेत्र का भी हवाई निरीक्षण किया। मुख्य सचिव ने कहा कि कनकचौरी से कार्तिक स्वामी ट्रैक को तीर्थाटन के साथ एडवेंचर और पर्यटन के लिहाज से विकसित किया जाएगा।

# प्रेमनगर से विकासनगर तक अवस्थित डेरी एवं खाद्य संस्थानों में सैंपल प्राप्त किए

## 1.5 क्विंटल पनीर किया नष्ट, घी के सैंपल जांच हेतु रुद्रपुर लैब भेजे

देहरादून। आयुक्त खाद्य संरक्षा औषधि प्रशासन डॉ आर राजेश कुमार द्वारा राज्य में खाद्य पदार्थों की जांच हेतु प्रभावी अभियान चलाने हेतु निर्देश दिए गए हैं। आयुक्त खाद्य संरक्षा औषधि प्रशासन के अनुपालन में तथा उपायुक्त गढ़वाल मंडल खाद्य सुरक्षा राजेंद्र रावत एवं उपायुक्त मुख्यालय जी सी कंडवाल के निर्देशन में जिला अभिहित खाद्य संरक्षा अधिकारी पी सी जोशी के नेतृत्व में प्रेमनगर से विकासनगर तक अवस्थित डेरी एवं खाद्य संस्थानों में सैंपल प्राप्त किए गए। टीम द्वारा फूड सेफ्टी स्टैंडर्ड एडिटिंग रेगुलेशन 2011 के मानकों के अनुसार न पाए जाने पर 1.5 क्विंटल पनीर को नष्ट किया गया तथा घी के सैंपल जांच हेतु रुद्रपुर लैब भेजे गए। बताया गया की सहारनपुर एवं अन्य बाहरी स्थानों से आने वाला पनीर मिलावटी पाया गया, जिसे टीम द्वारा मौके पर ही नष्ट कर दिया गया। उक्त पनीर सस्ता होने के कारण कई रेस्टोरेंट तथा होटल में खपाया जा रहा है। जिला अभिहित अधिकारी ने बताया कि होटल रेस्टोरेंट और होटल में भी जांच हेतु

अभियान चलाया जाएगा।

टीम में जिला अभिहित खाद्य संरक्षा अधिकारी पी सी जोशी, वरिष्ठ खाद्य सुरक्षा अधिकारी मंजु रावत, रमेंश सिंह, संजू तिवारी, फूड सेफ्टी विजिलेंस के निरीक्षक जगदीश प्रसाद रतूड़ी, कांस्टेबल संजय नेगी , योगेन्द्र आदि उपस्थित रहे।

# बेबिनार में छात्रों को पेटेंट, कापीराइट की जानकारी दी

हरिद्वार। महिला विद्यालय डिग्री कॉलेज सतीकुंड कनखल में अर्थशास्त्र विभाग की ओर से राष्ट्रीय बौद्धिक संपदा जागरूकता मिशन और एक वेबिनार का आयोजन किया गया। जिसकी मुख्य पूजा कुमारी ने छात्राओं को पेटेन्ट, कॉपीराइट, ट्रेडमार्क, डिजाइन और भौगोलिक संकेतक के बारे में विस्तार से जानकारी दी। पूजा कुमारी ने वीडियो व पीपीटी के माध्यम से अनेकों उदाहरण देकर छात्राओं को कठिन से कठिन शब्दावली को सरल शब्दों में उदाहरण देकर समझाया। महाविद्यालय की सचिव डॉ. वीणा शास्त्री ने कहा कि अन्तर्राष्ट्रीय बौद्धिक सम्पदा अधिकार वर्तमान समय का महत्वपूर्ण अधिकार है। क्योंकि आज का युग अपनी बुद्धि व कौशल का प्रयोग कर विकास के नये कीर्तिमान को छूने का है। महाविद्यालय की प्राचार्या प्रो. गीता जोशी ने अन्तर्राष्ट्रीय बौद्धिक सम्पदा अधिकार के महत्व पर प्रकाश डाला। कहा कि महाविद्यालय की सभी छात्राओं के लिए यह विषय अत्यन्त ज्ञानवर्द्धक है। ताकि हम अपनी बौद्धिक सम्पदा की रक्षा कर सकें। बेबिनार का संचालन अर्थशास्त्र विभाग की अध्यक्षा यासमीन अमीर ने किया। इस अवसर पर पर प्रो. शशी प्रभा, प्रो. प्रीति आत्रेय, डॉ. प्रेरणा पाण्डेय, डॉ. राखी सिंह, डॉ. निभा राठी, डॉ. सुमन चावला, रेखा रानी, कंचन रावत, अनुराधा शर्मा, मोतिया शर्मा, दलसिंह, शिखा गुप्ता, अनुराधा चौधरी, अंकित गोइल आदि मौजूद थे।

# स्विस एजुकेशन ग्रुप और सीएम धामी की हुई बैठक, व्यावसायिक पाठ्यक्रम में बढ़ेगा सहयोग

**न्यूज़ वायरस नेटवर्क**

देहरादून , 19 अप्रैल , मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से स्विस एजुकेशन ग्रुप के एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर क्लाडियो रैकनेलो के नेतृत्व में प्रतिनिधि मण्डल ने भेंट की। इस अवसर पर राज्य में युवाओं को पर्यटन एवं होटल व्यवसाय से संबंधित प्रशिक्षण के लिए चर्चा की गई। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में पर्यटन के क्षेत्र में राज्य में अपार संभावनाएं हैं। इस दिशा में यहां के युवाओं में स्किल को बढ़ावा देने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि राज्य में युवाओं को पर्यटन एवं होटल व्यवसाय के क्षेत्र में प्रशिक्षित करने के लिए, यदि स्विटजरलैण्ड से कुछ अच्छे प्रशिक्षकों की व्यवस्था हो सकती है, तो इस दिशा में कार्य किया जाए। राज्य में प्रशिक्षण के लिए आवश्यक संसाधनों की व्यवस्था सरकार की ओर से की जायेगी। युवाओं को सर्टिफिकेट कोर्स की अच्छी सुविधा मिलने से उनके हुनर को बढ़ावा मिलेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के तहत राज्य में 11वीं और 12वीं कक्षा के विद्यार्थियों के लिए बेहतर व्यावसायिक पाठ्यक्रम के लिए भी स्विस एजुकेशन ग्रुप से मदद ली जाए।

विद्यार्थियों को बेहतर व्यावसायिक शिक्षा मिले इसके लिए विस्तृत योजना बनाई जाए। राज्य में पर्यटन के साथ-साथ साहसिक गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए ध्यान दिया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में पर्यटन, शिक्षा, साहसिक पर्यटन की गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए स्विटजरलैण्ड से यदि कोई प्रतिनिधिमण्डल आना चाहता है, तो उनको देवभूमि उत्तराखण्ड में सरकार की ओर से पूरा सहयोग दिया जायेगा।

स्विस एजुकेशन ग्रुप के एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर क्लाडियो रैकनेलो ने कहा कि स्विट्जरलैंड में आध्यात्मिक गतिविधियों के क्षेत्र में कार्य करने की काफी संभावनाएं हैं। यदि वहां पर आध्यात्मिक गतिविधियों पर आधारित केन्द्रों में उत्तराखण्ड से इस क्षेत्र के विशेषज्ञ कार्य करें, तो इसमें कार्य करने के लिए अनेक संभावनाएं हैं। उन्होंने कहा कि राज्य की और से जो भी सहयोग मांगा जायेगा, उसे पूरा करने के हर संभव प्रयास किये जाएंगे। इस अवसर पर स्वामी अभय दास, सूर्य प्रताप सिंह, सचिव शैलेश बगोली, रविनाथ रमन, सचिन कुर्वे, डॉ. पंकज कुमार पाण्डेय, शिक्षा महानिदेशक बंशीधर तिवारी उपस्थित थे।

# डीएम विनय शंकर पांडे ने ताबड़तोड़ निपटाई जन शिकायतें

**न्यूज़ वायरस नेटवर्क**

हरिद्वार , 19 अप्रैल, जिलाधिकारी विनय शंकर पाण्डेय की अध्यक्षता में नगर निगम (बड़ा मीटिंग हॉल) रूड़की परिसर में आमजन की समस्याओं के निराकरण हेतु ''तहसील दिवस'' का आयोजन किया गया। तहसील दिवस में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अजय सिंह ने भी प्रतिभाग किया तथा कानून एवं व्यवस्था से सम्बन्धित आम जन की शिकायतों का निराकरण करते हुये सम्बन्धित को दिशा-निर्देश दिये। ''तहसील दिवस'' में कुल 46. प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए, जिनमें से 03 का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया तथा शेष अनुरोध पत्रों को प्रकरण के निस्तारण में लगने वाले समय के अनुसार संबंधित विभागों के अधिकारियों को समयबद्ध निस्तारित करने के निर्देश जिलाधिकारी ने दिये। इस मौके पर जिलाधिकारी ने पूर्व तहसील दिवस में आई हुई समस्याओं के निस्तारण के सम्बन्ध में भी सम्बन्धित अधिकारियों से जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिये कि जिस किसी भी विभाग को जन-सामान्य की समस्या का समाधान करना है, वे आवेदन पत्र में निर्धारित समय के अनुसार मेरिट के आधार पर निस्तारण करते हुये अपनी रिपोर्ट तहसील को प्रस्तुत करना सुनिश्चित करें

तथा मा0 मुख्यमंत्री के स्तर से भी इसकी समीक्षा कभी भी हो सकती है। उन्होंने कहा कि आपकी थोड़ी मेहनत से अगर जनता का कल्याण हो रहा है, तो इससे अधिक खुशी की बात और क्या हो सकती है। तहसील दिवस में प्राप्त होने वाली शिकायतों में राजस्व, विद्युत, विधवा/वृद्धावस्था पेंशन, पुलिस, जमीन की पैमाइश, अवैध अतिक्रमण हटाये जाने, पानी की निकासी, राशन कार्ड आदि से सम्बन्धित प्रमुख प्रकरण प्राप्त हुये। ''तहसील दिवस'' में एस0पी0 गोस्वामी नारसन ने चिकित्सा प्रतिपूर्ति के भुगतान के सम्बन्ध में अपना आवेदन प्रस्तुत किया। इस पर जिलाधिकारी ने मुख्य चिकित्साधिकारी को नियमानुसार चिकित्सा प्रतिपूर्ति का भुगतान करने के निर्देश दिये। श्री महेन्द्र सिंह शेरपुर ने उनकी विद्युत लाइन से दूसरे को बिजली आपूर्ति किये जाने का प्रकरण रखा, जिस पर जिलाधिकारी ने विद्युत विभाग के अधिकारियों को कनेक्शन की जांच कर उसे तुरन्त हटाने के निर्देश दिये। ईमलीखेड़ी के आशीष गर्ग ने भगवानपुर हाईवे पर निकट ही स्कूल होने की वजह से स्पीडब्रेकर स्थापित करने के सम्बन्ध में अपना पक्ष रखा, इस पर जिलाधिकारी ने एनएच लोक निर्माण को स्पीडब्रेकर स्थापित करने के निर्देश दिये। लोकेन्द्र गिरि न्यू आदर्श मार्ग ने घर के सामने किये गये अतिक्रमण को हटाये जाने के सम्बन्ध में अपना पक्ष रखा, इस पर जिलाधिकारी ने अतिक्रमण चिह्नित करते हुये आगामी 26 अप्रैल तक नियमानुसार अतिक्रमण हटाने के निर्देश दिये। बलबीर सिंह मोहनपुरा ने सरकारी मार्ग से अवैध कब्जा हटाये जाने के सम्बन्ध में अपना पक्ष रखा, इस पर जिलाधिकारी ने एक सप्ताह के भीतर कार्रवाई करने के निर्देश अधिकारियों को दिये।

# डीएम डॉ. सौरभ गहरवार ने जन शिकायतों को गंभीरता से निपटाने के दिए निर्देश

**न्यूज़ वायरस नेटवर्क**

टिहरी , 19 अप्रैल , जिलाधिकारी टिहरी गढ़वाल डॉ. सौरभ गहरवार की अध्यक्षता में खण्ड विकास कार्यालय कीर्तिनगर के सभागार में तहसील दिवस आयोजित किया गया। तहसील दिवस में 52 शिकायतें/अनुरोध पत्र दर्ज किये गये, जिसमें से अधिकांश शिकायतों का मौके पर निस्तारण किया गया तथा शेष प्रकरणों पर समय सीमा निर्धारित कर गंभीरता के साथ निस्तारण करने के निर्देश दिये गये।इस मौके पर अधिकांश शिकायतें जल संस्थान एवं जल निगम से संबंधित रही। इसके साथ ही लोनिवि, शिक्षा, पंचायत राज विभाग, सिंचाई, लघु सिंचाई, कृषि, पीएमजीएसवाई, विद्युत, समाज कल्याण, पूर्ति विभाग, उद्यान से संबंधित रही। बैठक में जिलाधिकारी ने डीएफओ, मुख्य शिक्षा अधिकारी, जिला शिक्षा अधिकारी, अधिशासी अभियन्ता पीएमजीएसवाई के अधिकारियों के अनुपस्थित रहने पर कड़ी नाराजगी व्यक्त की गई।

इससे पूर्व जिलाधिकारी द्वारा नवनिर्मित खण्ड विकास कार्यालय कीर्तिनगर का निरीक्षण किया गया। इस दौरान जिलाधिकारी ने समस्त कार्यलय कक्षों, बैठक कक्ष, शौचालय, छत आदि का बारीकी से निरीक्षण कर संबंधित निर्माणदायी संस्था को कुछ एक कार्यों की मरम्मत करने के निर्देश दिये गये। इसके साथ ही छत में प्रीफेब्रिकेटिट स्ट्रक्चर देते हुए हॉल बनाने को भी कहा।इस अवसर पर डीडीओ सुनील कुमार, क्षेत्र पंचायत प्रमुख कीर्तिनगर सोबन सिंह पंवार, सीएमओ डॉ. मनु जैन, एसडीएम देवेन्द्र नेगी, सीएओ अभिलाषा भट्ट, सीवीओ आशुतोष जोशी, डीपीआरओ एम.एम.खान, डीएसओ अरूण वर्मा, एसआरटीओ चक्रपाणि मिश्रा, जिला आबकारी अधिकार कैलाश बिंजौला, जिला समाज कल्याण अधिकारी के.एस. चौहान, आयुर्वेदिक अधिकारी सुभाष, अधिशासी अभियन्ता लघु सिंचाई बृजेश गुप्ता, अधि.अभि. ग्रामीण निर्माण विभाग मीनल गुलाटी, मत्स्य अधिकारी गरिमा, तहसीलदार सुनील राज सहित अन्य संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

# ये संकेत बताते हैं कि फ्लू नहीं बल्कि कोविड से संक्रमित हैं आप

**न्यूज़ वायरस नेटवर्क**

कोविड 19 अप्रैल : हम में से ज्यादातर लोगों को बचपन से वायरल फीवर होता आया है। इसलिए लक्षण दिखते ही हम समझ जाते हैं कि यह फ्लू है। हालांकि, पिछले कुछ सालों में कोविड-19 के आने से अब यही लक्षण कन्फ्यूजन पैदा करने लगे हैं। क्योंकि फ्लू और कोविड-19 के लक्षण एक तरह के हैं, इसलिए बिना टेस्ट के पता लगाना मुश्किल हो जाता है, कि आपके लक्षण किस संक्रमण के हैं।

ऐसे में आज हम आपको बता रहे हैं कोविड-19 के ऐसे लक्षणों के बारे में जिनको आप फ्लू समझने की गलती भी कर सकते हैं। अगर आप सांस लेने में कठिनाई महसूस कर रहे हैं, तो आपको ऐसा लगेगा कि आपके फेफड़ों में हवा नहीं आ रही है। कोविड लक्षणों के डाटा पर नजर डालें, तो आप देखेंगे कि जो लोग कोविड-19 से संक्रमित हुए उन्हें फ्लू संक्रमण की तुलना सांस लेने में दिक्कत आई, जो एक एक आम संकेत भी था।

कमजोरियां थकावट होने पर, नींद पूरी न होने से भी बदतर महसूस होता है। बीमारी के ठीक हो जाने के बाद भी हफ्तों तक कमजोरी और तेज सिर दर्द रहता है, जो फ्लू का मुख्य लक्षण है। वहीं, कोविड संक्रमण के दौरान और बाद में लोग भयानक कमजोरी से जूझते हैं। कई लोगों ने बताया कि कोविड की वजह से कैसे एक हफ्ते की छुट्टी के बाद ऑफिस का काम करना कितना मुश्किल हो गया था।

खांसी एक ऐसा लक्षण है, जो फ्लू और कोविड-19 दोनों संक्रमणों में देखा जाता है। मायो क्लिनिक के अनुसार, कोविड-19 संक्रमण में सूखी खांसी होती है, जिसमें बलगम नहीं निकलता। सूखी खांसी एक बार शुरू हो जाए, तो मुश्किल से रुकती है। बुखार या फिर कंपकंपी दोनों संक्रमण में महसूस होती है। हालांकि, हेल्थ एक्सपर्ट्स के अनुसार, जिन लोगों को फ्लू होता है, उन्हें हमेशा 100 डिग्री बुखार रहता है, वहीं कोविड-19 में बुखार तेज भी हो सकता है या हल्का या फिर नहीं भी आ सकता है।

# उधार नहीं दिया तो दे दी मौत देहरादून पुलिस ने किया खुलासा

**न्यूज़ वायरस नेटवर्क**

देहरादून 19 अप्रैल : देहरादून 12.04.2023 को समय करीब 18.55 बजे थाना प्रेमनगर को सूचना प्राप्त हुई कि विंग नं0 01 क्षेत्र में एक महिला अपने घर में मृत अवस्था में पड़ी है, उक्त सूचना से उच्चाधिकारी गणों को अवगत कराते हुए थानाध्यक्ष प्रेमनगर मय पुलिस बल के घटनास्थल पर पहुंचे। मौके पर एक महिला जिसका नाम मंजीत कौर पत्नी दलजीत सिंह निवासी विंग न01 बैरक न011/10 प्रेमनगर अपने कमरे में फर्श पर मृत अवस्था में पड़ी थी । मृतका के शव का परीक्षण करने पर किसी धारदार हथियार से मृतका का गला रेतकर उसकी हत्या किया जाना प्रकाश में आया। घटना की गम्भीरता के दृष्टिगत पुलिस उप महानिरीक्षक/वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक देहरादून द्वारा पुलिस अधीक्षक अपराध, पुलिस अधीक्षक नगर एवं क्षेत्राधिकारी प्रेम नगर के साथ घटनास्थल पर पहुंचकर घटना के सम्बन्ध में जानकारी लेते हुए घटना के अनावरण हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गये । मौके पर आवश्यक साक्ष्य संकलन की कार्यवाही हेतु एफएसएल एवं फील्ड यूनिट की टीम को घटनास्थल पर बुलाया गया, साथ ही घटना की सूचना महिला के परिजनों को दी गयी, घटना के सम्बन्ध में मृतक की पुत्री इंदरप्रीत कौर द्वारा दी गयी तहरीर पर थाना प्रेमनगर में मु0अ0सं0 70/23 धारा 302 भादवि बनाम अज्ञात पंजीकृत कर विवेचना प्रारम्भ की गयी

**पुलिस टीम द्वारा की गयी कार्यवाही:-**

1-घटनास्थल से आने जाने वाले समस्त रास्तों के लगभग 350 सीसीटीवी कैमरों की फुटेज संकलित कर उनका विश्लेषण किया गया ।2- प्रेमनगर में आपराधिक प्रवृत्ति के व्यक्तियों की सतर्क निगरानी हेतु पुलिस टीम गठित कर सुरागरसी /पतारसी के माध्यम से संदिग्धों से पूछताछ की गयी ।3- मृतक महिला के परिचित/ परिजनों से मृतका के व्यसाय, आदि के संबंध में जानकारी प्राप्त कर लाभप्रद सूचनायें एकत्रित की गयी ।4- विवेचना में आये साक्ष्यों के आधार पर अनावरण हेतु पुलिस अधीक्षक अपराध / पुलिस अधीक्षक नगर के निकट पर्यवेक्षण में पुलिस टीम बनाकर दिल्ली ,उ0प्र0 तथा उत्तराखंड के अन्य जनपदों में भी भेजी गयी । जिससे कई लाभप्रद सूचनाएं प्राप्त हुयी । 5- महिला के सभी खातों की बैंक डिटेल प्राप्त कर सभी खातों का विश्लेषण किया गया । परिणाम स्वरूप दिनांक 17.04.2023 को घटना के अनावरण हेतु प्रयासरत टीम को सीसीटीवी कैमरे के अवलोकन से एक संदिग्ध व्यक्ति मृतक के घर की ओर जाता हुआ दिखाई दिया, जिस पर प्रभावी सुरागरसी-पतारसी कर उक्त संदिग्ध व्यक्ति के सम्बन्ध में जानकारियां एकत्रित की गयी तथा दिनांकः 17-04-23 को घटना में संलिप्त अभि0 पंकज शर्मा उर्फ बंटी पुत्र स्व0 रमेश चन्द्र शर्मा निवासी 49 ए जनरल विंग प्रेमनगर को दशहरा ग्राउंड के पास से गिरफ्तार किया गया, जिसकी निशानदेही पर घटना के समय अभियुक्त द्वारा पहने गए रक्तरंजित वस्त्र प्रयोग में लाया गया पानी का गिलास तथा कमरे का रक्तरंजित पर्दा बरामद किया गया।

**अपराध का तरीका एवं कारण :-**

अभि0 पंकज शर्मा उपरोक्त द्वारा बताया गया कि उसने वर्ष 2010 में मोहल्ले में ही परचून की दुकान खोली थी जो कि कुछ खास नहीं चलती थी तथा कोरोना काल में दुकान पूर्ण रूप से बंद हो गयी थी तथा आय का साधन खत्म हो गया था । मेरे पास अपने पुत्र की स्कूल की फीस जमा करने के पैसे भी नहीं थे, मुझे पैसों की सख्त जरूरत थी, जिस कारण मैंने 2022 में बंधन बैंक से 80000 रू0 का लोन लिया, जिसमें मेरे पडोस मे रहने वाली महिला सीमा लाम्बा द्वारा मेरी मदद करते हुए 10000 रू0 चुकाये थे। सीमा मेरी लोन पार्टनर भी थी, हम दोनो के द्वारा बंधन बैंक के अलावा यूनियन बैंक से भी लोन उठाया गया था, इसके अतिरिक्त अन्य जगहों से लिये गये कर्ज की किस्त भी मेरे द्वारा चुकाई जा रही थी। मेरे द्वारा कुछ पैसा सीमा से भी उधार लिया गया था। सीमा को वृंदावन जाना था, इसलिये वह लगातार मुझसे अपना पैसा वापस मांग रही थी। जिस पर मैं घटना के दिन सुबह लगभग 09:30 बजे मंजीत कौर के पास पैसा उधार मांगने गया पर उसने मुझे पैसा उधार देने से साफ इंकार कर दिया। इसके पश्चात टेंशन में मैंने दोपहर मे शराब पी तथा शाम को करीब 06:30 से 07:00 बजे के बीच दोबारा मंजीत कौर के घर पैसा मांगने गया। उस समय मंजीत कौर अपने घर में सब्जी काट रही थी, मेरे द्वारा पुनः पैसा मांगने पर उन्होने पैसा देने से इंकार कर दिया जिस पर मैंने टेबल पर पडे सब्जी काटने वाले चाकू से उनके गले पर वार कर दिया, जिससे वह मुंह के बल नीचे गिर गयी और उसकी मृत्यू हो गयी। जिसे देख के मुझे पसीना आने लगा मैंने मंजीत कौर की रसोई में जाकर कांच के गिलास में पानी पिया और उनके घर से चुपचाप निकल कर अपने घर आ गया । अपने घर पर मैंने घटना के समय पहने मैरून कलर की टी-शर्ट, ग्रे कलर की पेंट जींस को छत पर जाने वाली सीढ़ियों के नीचे छुपा दिया व चुपचाप सामान्य तरीके से रहने लगा।

गिरफ्तार अभियुक्तः- पंकज शर्मा उर्फ बंटी पुत्र स्व0 रमेश चन्द्र शर्मा निवासी 49 ए जनरल विंग प्रेमनगरबरामदगी :-01: घटना में प्रयुक्त चाकू , 02: घटना के समय अभियुक्त द्वारा पहने कपड़े, 03: कांच का गिलास 04: मृतक के घर का खून लगा पर्दानोट :- घटना का अनावरण करने वाली पुलिस टीम को पुलिस उपमहानिरीक्षक/ वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक महोदय द्वारा ₹15000/- के पुरस्कार तथा पुलिस महानिरीक्षक गढ़वाल परिक्षेत्र महोदय द्वारा ₹30000/- के पुरस्कार से पुरस्कृत करने की घोषणा की गई है।

पर्यवेक्षण अधिकारीः- सर्वेश पंवार, पुलिस अधीक्षक अपराध सरिता डोभाल, पुलिस अधीक्षक नगरआशीष भारद्वाज, क्षेत्राधिकारी प्रेमनगर पुलिस टीम :-1- पी0डी0 भट्ट, थानाध्यक्ष प्रेमनगर2- लोकेन्द्र बहुगुणा, थानाध्यक्ष नेहरू कालोनी3- प्रदीप रावत, व0उ0नि0 कोतवाली नगर4- प्रवीण सिंह पुंडीर - व0उ0नि0 प्रेमनगर5- उ0नि0 संजय रावत- थाना प्रेमनगर6- उ0नि0 जगमोहन सिंह राणा - थाना प्रेमनगर7- उ0नि0 संदीप कुमार- थाना प्रेमनगर8- उ0नि0 स्वाति चमोली - थाना प्रेमनगर9- उ0नि0 मिथुन कुमार, थाना प्रेमनगर9- अ0उ0नि0 गिरीश चन्द्र - थाना प्रेमनगर10- हे0का0 कमलेश लता थाना प्रेमनगर

# नैनीताल पुलिस : चोरी की मोटरसाइकिल के साथ 3 गिरफ्तार

**न्यूज़ वायरस नेटवर्क**

नैनीताल 19 अप्रैल : पंकज भट्ट, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक नैनीताल द्वारा जनपद के सभी थाना प्रभारियों को आटो लिफ्टिंग एवं चोरी की घटनाओं में अंकुश लगाये जाने एवं प्रभावी कार्यवाही करने के निर्देश दिये गये थे। जिस क्रम में हरबंस सिंह पुलिस अधीक्षक नगर हल्द्वानी ,भूपेन्द्र सिंह धोनी क्षेत्राधिकारी हल्द्वानी के पर्यवेक्षण में प्रमोद पाठक थानाध्यक्ष काठगोदाम के नेतृत्व में 03 ऑटो लिफ्टरों को चोरी किये गये मोटरसाइकिल स्प्लेंडर के साथ गिरफ्तार किया गया है।वादी मुकदमा भूपेन्द्र सिंह पुत्र स्व. कुलवन्त सिंह निवासी बागजाला थाना काठगोदाम जनपद नैनीताल ने थाना काठगोदाम आकर अवगत कराया कि दिनांक -16/04/2023 को लगभग दो - तीन बजे के मध्य उसके घर के बाहर से खड़ी उसकी मोटरसाइकिल स्पेलन्डर संख्या -UK04-AB-7213 काले रंग की किसी ने चोरी कर ली है काफी ढूंड खोज करने के बाद भी मोटरसाईकिल नही मिल सकी है। प्राप्त तहरीर के आधार पर थानाध्यक्ष प्रमोद पाठक ने चोरी की घटना का तत्काल संज्ञान लेकर एफआईआर न0 53/23 धारा 379 भा0द0वि0 बनाम अज्ञात पंजीकृत कर उ0नि कृपाल सिंह व उ0नि0 मनोज कुमार के नेतृत्व में 02 टीमें गठित कर चोरी की घटना को तत्काल खुलासे व मोटर साईकिल की बरामदगी के निर्देश दिये गये।पुलिस टीम द्वारा गोलापुल स्टेडियम के

पास सघन चैकिंग के दौरान 03 लड़के एक बाईक में कुवरपुर तिराहे से आते दिखाई दिये जिन्हें रोककर डीएल व वाहन के कागजात दिखाने को कहा तो नहीं दिखा सके एवं मोटरसाइकिल स्पैण्लडर प्लस काले रंग जिसमें आगे पीछे नम्बर प्लेट नहीं था।पुलिस टीम को शक होने पर उ0नि0 कृपाल सिंह द्वारा मोटरसाईकिल की चैसिस नं0 को चैक किये जाने पर चैसिस न0 मुकदमा उपरोक्त में चोरी हुयी मोटरसाइकिल से मेल खाता है उक्त पकड़े गये तीनों लड़कों से सख्ती से पूछताछ किये जाने पर बताया कि उन्होने यह मोटरसाइकिल दिनांक 16.04.2023 की रात बागजाला से किसी के घर के बाहर से चोरी कर जंगल में छुपा दी तथा वाहन की पहचान छुपाने के लिये नम्बर प्लेट तोड़कर जंगल में फैक दी।

आज इसे बेचने जा रहे थे पुलिस की पकड़ में आ गये। तीनों को गिरफ्तार कर अभियोग में धारा 411 भादवि की वृद्धि कर आवश्यक कार्यवाही की गयी है। गिरफ्तार अभियुक्त

1- राकेश चन्द्र आर्य उर्फ पिंन्टु उम्र- 23 वर्ष पुत्र स्व0 हीरा राम आर्या निवासी तल्ला बागजाला गौलापार थाना काठगोदाम। 2- लक्की आर्या उम्र- 20 वर्ष पुत्र स्व0 सुन्दर लाल निवासी बागजाला प्राइमरी स्कूल के पास गोलापार थाना काठगोदाम जनपद नैनीताल 3- संजय बिष्ट उम्र- 23 वर्ष पुत्र प्रताप सिंह निवासी बागजाला गोलापार थाना काठगोदाम जनपद नैनीताल तीनों का आपराधिक इतिहास इतिहास खंगाला जा रहा है।

## पौड़ी में कैमरों और ड्रोन से रखी जा रही बाघ पर नजर

पौड़ी। बाघ प्रभावित नैनीडांडा और रिखणीखाल ब्लाक के गांवों में कैमरों के साथ ही ड्रोन के जरिए भी आदमखोर बाघ की गतिविधियों पर नजर रखी जा रही है। नैनीडांडा क भैडगांव में घटना के बाद से अभी तक बाघ की कोई गतिविधि नहीं दिखाई दी है जबकि रिखणीखाल के डल्ला में बाघ लगातार घूम रहा है और वन महकमे के ट्रैपिंग कैमरे में कैद भी हुआ है। वन संरक्षक गढ़वाल सर्किल पंकज कुमार ने बताया कि दोनों स्थलों पर कैमरों के साथ ही ड्रोन का भी इस्तेमाल बाघ की गतिविधियों पर नजर रखने के लिए किया जा रहा है। ड्रोन काफी सुरक्षित भी है। नैनीडांडा के भैडगांव( सिमली ) में बाघ की कोई गतिविधि अभी तक नहीं दिखाई दी। जबकि रिखणीखाल के डल्ला में दो बाघ दिखाई दे रहे है। वन महकमे की टीम पशुचिकत्सकों के साथ ट्रैक्यूलाइज करने की कोशिश कर रही है। सीएफ के मुताबिक पहला प्रयास यह है कि सक्रिय बाघ ट्रैक्यूलाइज हो जाए।

बताया कि पहली और दूसरी घटना एक ही बाघ ने की इसके कोई प्रमाण अभी तक नहीं मिल पाए है, इसके प्रयास किए जा रहे हैं। बाघ की गतिविधियों पर नजर रखने के लिए ट्रैपिंग कैमरों की संख्या में भी इजाफा किया गया है। बाघ का सबसे पहले हमला डल्ला गांव में हुआ था और इसके ठीक चार दिन बाद ही बाघ ने भैडगांव में रिटायर शिक्षक की जान ले ली थी। बाघ के हमलों को देखते हुए दोनों घटना स्थलों की दूरी भी बहुत अधिक नहीं है। हालांकि चुनौति अभी भी है कि यह पूरी तरह से साफ नहीं हो सका है कि हमला एक ही बाघ ने किया है, या फिर अलग-अलग ने। दो हमलों के बाद प्रशासन ने यहां के दो दर्जन गांवों में रात्रि कफ्र्यू लगा दिया है। ग्रामीणों को चारा पत्ती लेने के लिए भी बाहर नहीं जाने के हिदायत दी गई है।

## संपादकीय

# खाद्यान्न समस्या का समाधान है श्रीअन्न

जलवायु परिवर्तन की विभीषिका से हम अब भिज्ञ हैं. हमारी भौतिकवादी सोच ने हमें ऐसे चौराहे पर ला खड़ा कर दिया है, जहां से आगे का रास्ता बेहद दुरूह है. विशेषज्ञों की मानें, तो जहां आज बड़े पैमाने पर खेती होती है, वहां पैदावार में व्यापक कमी की संभावना है. ऐसे आंकड़े भी हैं, जो यह साबित करते हैं कि उत्तर एवं दक्षिण अमेरिका, दक्षिण एवं दक्षिण-पूर्व एशिया, ऑस्ट्रेलिया आदि में जलवायु परिवर्तन के कारण धीरे-धीरे बारिश कम होती जा रही है. तटवर्ती मैदान समुद्र में समाते जा रहे हैं. ऐसे में खाद्यान्न उत्पादन का बड़ा भूभाग बंजर एवं अनुपजाऊ हो जायेगा. इसलिए अब ऐसे अनाज की पैदावार पर ध्यान केंद्रित करना होगा, जो कम पानी में हो सकता है और पौष्टिक भी हो. खाद्य एवं कृषि संगठन ने 2023 को अंतरराष्ट्रीय मोटा अनाज या पोषक अनाज वर्ष घोषित किया है. मोटे अनाजों में प्रोटीन, फाइबर जैसे सूक्ष्म पोषक तत्वों तथा एंटीऑक्सीडेंट की मात्रा आज के पारंपरिक खाद्यान्नों की तुलना में ज्यादा है. भारत सरकार ने भी खाद्यान्न रणनीति को अपने तरीके से सुलझाने की दिशा में पहल करना प्रारंभ कर दिया है. मसलन, अंतरराष्ट्रीय पोषक अनाज वर्ष 2023 को जन आंदोलन बनाने के साथ-साथ भारत को वैश्विक पोषक अनाज हब के रूप में स्थापित करने की दिशा में प्रयास हो रहे हैं. भारत सरकार इस दिशा में पहले से काम कर रही है. इसी के तहत 2018 में मिलेट्स को न्यूट्रल सीरियल के रूप में सरकार ने घोषित किया था. भारत में 'मिलेट्स क्रांति' को बाहरी चुनौतियों के समाधान के रूप में देखा जा रहा है. मोटे अनाजों से स्वास्थ्य संबंधी समस्या का समाधान होगा तथा पर्यावरण व जलवायु में परिवर्तन की चुनौती का भी सामना करने में लाभ होगा. मोटे अनाज के उत्पादन से देश में बड़ी संख्या में जो छोटे जोत के किसान हैं, उनको भी इसका लाभ मिलेगा. सामान्य परिभाषा के तौर पर, जिस अनाज की बिना जोते बुआई की जाती है, उसे मोटे अनाज की संज्ञा दी जाती है. वैसे कम पानी और कम समय में उपजने वाले अनाज को मोटा अनाज बताया जाता है. भारत में मोटे अनाज दो वर्गों में उगाये जाते हैं. प्रथम वर्ग के प्रमुख मोटे अनाजों में ज्वार, बाजरा और रागी को रखा गया है, जबकि दूसरे वर्ग में कंगनी, कुटकी, कोदो, वरिगा या पुनर्वा और सांवा शामिल हैं. यदि इतिहास की बात करें, तो मिलेट अनाजों के प्रमाण सबसे पहले सिंधु सभ्यता में पाये गये हैं.

**दैनिक न्यूज़ वायरस**
**संपादक : मौ.सलीम सैफी, कार्यकारी संपादक :** आशीष कुमार तिवारी न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक मौ.सलीम सैफी द्वारा विश्वनाथ प्रिंटर्स, अजबपुर कलां, देहरादून से प्रकाशित एवं न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड, 48/3 बलबीर रोड, डालनवाला, देहरादून से मुद्रित। **फ़ोन :** 0135-4066790, 2672002 **RNI No. :** UT-THIN/2012/44094 **Cert. Ser. No. :** 31406 **E-mail :** dainiknewsvirus@gmail.com **Website :** www.newsvirusnetwork.com **YouTube :** TV News Virus
न्याय क्षेत्राधिकार : जनपद देहरादून ( उत्तराखंड ), भारत

# मैक्स के डॉक्टरों का कमाल, किया अनोखा लिवर ऑपरेशन

**न्यूज़ वायरस नेटवर्क**

देहरादून, 18 अप्रैल 2023 : मैक्स सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल, देहरादून के डॉक्टरों ने एक 69 वर्षीय रोगी के लीवर से कैंसर की कोशिकाओं को हटाने के लिए मेडिकल कंपटीशन कोलेसिस्टेक्टोमी की। मेडिकल कंपटीशन कोलेसिस्टेक्टोमी और लिवर का वेज रिएक्शन इस पर निर्भर करता है कि कैंसर कहां है और यह कितनी दूर तक फैल चुका है। एक विस्तारित कोलेसिस्टेक्टोमी कम से कम हटा देती है : गॉलब्लैडर में । गाल ब्लैडर के बगल में लिवर टिश्यू का लगभग एक इंच या अधिक साथ ही आसपास के सभी लिम्फ नोड्स । इस मरीज के लिवर कैंसर का पता तब पता चला जब वह अस्पताल में गाल ब्लैडर सर्जरी के लिए आयी थी। सर्जरी के दौरान, डॉक्टरों ने उसके गॉलब्लैडर की थैली के चारों ओर एक बड़ा ऊतकों का समूह देखा जो की सामान्यता नहीं दिखाई नहीं दे रहा था। यह प्रक्रिया एक सर्जिकल जीआई ऑन्कोलॉजिस्ट द्वारा की गई थी जिसमे लिवर और आसपास के ऊतकों के एक हिस्से को सफलतापूर्वक हटा दिया था और रोगी का जीवन बच गया।

इस केस के बारे में डॉ. विशाल निधि कुलश्रेष्ठ, प्रिंसिपल कंसल्टेंट, गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल और हेपेटोपैंक्रिएटोबिलरी सर्जिकल ऑन्कोलॉजी ने बताया: "मरीज को पिछले तीन महीनों से पेट में गंभीर दर्द हो रहा था और कई डॉक्टरों से परामर्श लेने और दवाइंया लेने के बाद भी यह दर्द कम नहीं हो रहा था। पहले वह गॉल स्टोन हटाने की सर्जरी के लिए मैक्स सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल, देहरादून आई थी लेकिन इलाज के दौरान, डॉक्टरों ने उसके गॉलब्लैडर के चारों ओर एक बड़ा ऊतकों का समूह दिखा जो सामान्य स्थिति में दिखाई नहीं दे रहा था। उन्होंने ऊतकों के इस समूह का एक नमूना लिया और इसे मूल्यांकन के लिए भेजा, जिससे पता चला कि यह कैंसर था और लिवर और अन्य क्षेत्रों में फैल सकता था। मरीज की पिछली सर्जरी से उत्पन्न चुनौतियों के बावजूद, हम जानते थे कि कैंसर को शरीर में फैलने से रोकने के लिए उन्हें जल्दी इलाज करना होगा। एक महीने के भीतर, हमने रेडिकल कंप्लीशन कोलेसिस्टेक्टोमी की, जिसमें पिछली सर्जरी के समान बड़े हुए ऊतकों को काटना तथा पिछले बार हुई रक्तस्राव की जटिलताएं को ध्यान में रखते हुए मरीज की जान बचायी। यह सर्जरी सफल रही और मरीज अब स्वस्थ जीवन जी रहा है। ₹ डॉ. मयंक नौटियाल, कंसल्टेंट, गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल सर्जरी ने कहा, "मैक्स अस्पताल, देहरादून में एक लिवर क्लिनिक भी है, जो लिवर फिजिशियन और सर्जन दोनों उपलब्ध कराता है । जो कि पीलिया, शराब से संबंधित समस्याओं, एंड-स्टेज लिवर सिरोसिस से पीड़ित रोगियों, फैटी लिवर , लिवर कैंसर, वायरल हेपेटाइटिस, और अन्य लिवर के रोगों का इलाज और परामर्श प्रदान करते है । यह क्लिनिक इस क्षेत्र में प्रत्येक रोगी के लिए अलग अलग उपचार योजना प्रदान करता है जिसमे लिवर रोग का बेहतर इलाज और उनमे जागरूकता बढ़ाने का काम करता है। लिवर रोग का प्रभावी इलाज करने के लिए यहाँ के डॉक्टरों का समर्पण और विशेषज्ञता तथा उन्नत हेपेटेक्टोमी द्वारा समय पर उचित उपचार किया जाता है। डॉ करमजोत सिंह बेदी - कंसल्टेंट - गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल सर्जरी, ₹ यह अस्पताल स्वास्थ्य क्षेत्र में प्रचलित सभी नवीनतम उपचार और तकनीकों से सुसज्जित है और गंभीर मामलों को संभालने के लिए विशेषज्ञों डॉक्टरों का पैनल उपलब्ध है । स्वास्थ्य सेवाओं में अग्रणी होने के नाते, हमारा मानना है कि अस्पताल सही बुनियादी ढांचे और विशेषज्ञता के साथ अधिक गुणवत्ता वाली स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करना आगे भी जारी रखेगा।"

# शिवालिक बैंक की उत्तराखंड में ज़ोरदार दस्तक

**न्यूज़ वायरस नेटवर्क**

देहरादून , 19 अप्रैल , देवभूमि उत्तराखंड की राजधानी देहरादून में जब शिवालिक स्माल फाइनेंस बैंक के कदम पड़े तो लोगों की नज़र उस पर टिक गयी .. स्मॉल बैंकिंग सेक्टर के इस बैंक की पुरानी पहचान थी शिवालिक मर्कन्टाइल कोऑपरेटिव बैंक,सहारनपुर अब अपनी नई पहचान के साथ शाखाओं का विस्तार करते हुए ये कोर बैंकिंग क्षेत्र में आगे बढ़ चला है जिसमे इसके साथ बैंक के नाम और पहचान में भी बदलाव आया है. ये बैंक अब शिवालिक स्मॉल फाइनेंस बैंक के नाम से कार्य कर रहा है साथ ही अपनी शाखाओं का विस्तार कर रहा है जो पश्चिमी उत्तर प्रदेश के सहारनपुर शहर से शुरुआत करते हुए नोएडा और अब उत्तराखंड तक आ पहुंचा है जिसमे इस बैंक ने अपनी शाखा देहरादून, हरिद्वार और रूड़की मे खोली है.....

## देश भर में फैला है शिवालिक बैंक का विस्तार

शिवालिक शहरी सहकारी बैंक से परिवर्तन करने वाला भारत का पहला लघु वित्त बैंक है । खुदरा बैंकिंग उत्पादों और सेवाओं की पेशकश करने में मैनेजमेंट के पास 24 वर्षों से अधिक का बैंकिंग अनुभव है।शिवालिक सभी खुदरा भुगतान प्लेटफार्मों पर उपलब्ध है और नेशनल फाइनेंशियल स्विच का प्रत्यक्ष सदस्य है। आज इस भरोसेमंद बैंक परिवार में जुड़े हैं 6.26 लाख ग्राहक , 50 शाखा और 60 अन्य बीसी शाखाएं इस बैंक की जनता में मजबूत पकड़ और भरोसे का प्रमाण है।

## जानिए क्या है बैंक का उद्देश्य

उत्पादों और सेवाओं की पेशकश में डिजिटल पहला दृष्टिकोणवित्तीय समावेशन और बढ़ती वित्तीय साक्षरतावित्तीय उत्पादों और प्रक्रियाओं में प्रर्वतकअपने ग्राहकों के लिए संपूर्ण समाधान प्रदाता बनने का लक्ष्य रखेंपर्यावरण, सामाजिक और शासन (ईएसजी) के अनुरूपउस क्रम में सभी हितधारकों - समाज, कर्मचारियों, ग्राहक, संगठन और शेयरधारकों के लिए मूल्य बनाएँ

## देहरादून में पूर्व एमडी एवं बोर्ड सलाहकार सुवीर कुमार गुप्ता ने बताई ब्रांच की खूबियां

देहरादून में नई शाखा खुलने के अवसर पर आये बैंक के पूर्व एमडी एवं बोर्ड सलाहका सुवीर कुमार गुप्ता ने बताया कि छोटे ग्राहकों, छोटे व्यापारियों की सुविधा को ध्यान में रख बैंक कार्य करता है जिसके चलते साल 2010 में उत्तर प्रदेश के सबसे बड़े कोऑपरेटिव बैंक बनने का ख़िताब भी हासिल हुआ यही नहीं देश का पहला कोऑपरेटिव बैंक से कमर्शियल शेड्यूल बैंक बनने का रिकॉर्ड भी अपने नाम किया जिसमे आज देश भर में शिवालिक स्मॉल फाइनेंस बैंक की लगभग 50 शाखाएं और 3300 करोड़ के कारोबार के साथ बैंकिंग व्यवसाय कर रहा है. पूर्व एमडी एवं बोर्ड सलाहकार सुवीर कुमार गुप्ता ने साथ ही बताया की ग्राहक उनसे बेहतर प्रोडक्ट्स, सर्विस, स्कीम्स और बेहतर ऑफर के लिए जुड़ सकते हैं. जिसमे सायबर बैंकिंग फ्रॉड से सुरक्षा के लिए बैंक की ओर से विशेष प्रबंध भी किये गए हैं.

## ब्रांच बैंकिंग के कंट्री हेड दिव्या सेठी ने ग्राहकों को सुविधा की दी मज़बूत जानकारी

ब्रांच बैंकिंग के कंट्री हेड दिव्या सेठी ने बताया की कोर बैंक सिस्टम के साथ उनके बैंक में ग्राहकों को हर वो एडवांस सुविधा मिलेगी जो किसी भी ग्राहक के लिए आज के दौर में बहुत आवश्यक है जो बैंकिंग को स्मार्ट बनाती है... उम्मीद की जा रही है कि उत्तराखंड में भी शिवालिक स्मॉल फाइनेंस बैंक अपनी मजबूत पकड़ और ग्राहकों के अटूट भरोसे के साथ एक कामयाब कदम साबित होगा।देहरादून शाखा के प्रबंधक गौरव मिश्र ने बताया की शिवालिक स्मॉल फाइनेंस बैंक कोर बैंकिंग सिस्टम के सभी कार्यों को पूरा कर रहा है जिसमे बचत खाता, करंट खाता, फिक्स डिपॉज़िट, लॉकर सुविधा आदि जैसी सभी सुविधाएं उपलब्ध हैं, साथ ही बैंक ग्राहकों को आसान लोन सुविधा भी दे रहा है.